सत्यमेव जयते

शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION

सत्यमेव जयते

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
Ministry of **Skill Development**
And Entrepreneurship

भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी समागम

30 सितंबर और 1 अक्टूबर 2023

स्थानः डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, जनपथ, नई दिल्ली

https://technology-bharatiyabhasha.aicte-india.org/

भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी समागम के बारे में

"भारतीय भाषाओं के लिए, भारतीय भाषाओं में और भारतीय भाषाओं द्वारा प्रौद्योगिकी" पर तीन प्रमुख क्षेत्रों में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के मार्गदर्शन में एक दो दिवसीय प्रौद्योगिकी समागम का आयोजन हो रहा है। समागम का आयोजन भारतीय भाषा संस्थान (भा.भा.सं.), मैसूरु, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए. आई. सी. टी. ई.), राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (एन.ई.टी.एफ.), भारतीय भाषा समिति (बी.बी.एस.), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.), राष्ट्रीय व्यासायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.वी.ई.टी.)और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एन.सी.टी.ई.) के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। 30 सितंबर और 1 अक्टूबर 2023 को डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, जनपथ, नई दिल्ली आयोजित समागम का उद्देश्य सभी हितधारकों को एक मंच पर लाना और प्रौद्योगिकी के उपयोग से भारतीय भाषाओं के सभी क्षेत्रों में एन.ई.पी.-2020 के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विचार-विमर्श करना है।

ऐसी अपेक्षा है कि इस दो दिवसीय समागम के आयोजन में नई दिल्ली में 1000 प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। इस आयोजन में प्रस्तुतीकरण, पैनल-चर्चा, प्रदर्शनियाँ एवं नेटवर्किंग के अवसर तथा तकनीकी विशेषज्ञ और भारतीय भाषाओं के लिए भारतीय भाषाओं में काम कर रहे प्रौद्योगिकी संस्थानों, ए.आई. एवं एम.एल. पर कार्य करने वाले अनुसंधानकर्ता, एडु-टेक कंपनियाँ, स्टार्ट-अप, उपयोगकर्ता और ऐसी प्रौद्योगिकी के नीति निर्माता शामिल होंगे। यह उपस्थित लोगों के विचार के आदान-प्रदान एवं सहयोग से भारत और विश्वभर में भाषा प्रौद्योगिकी के विकास, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देगा।

समागम का विषय

एन.ई.पी-2020 शैक्षिक अवसरों की पहुँच बढ़ाने, समावेशन और विविधता की चिंताओं को दूर करने और देश में शैक्षिक प्रणाली की पहुँच, गुणवत्ता, समानता, सामर्थ्य और जवाबदेही में सुधार हेतु प्रौद्योगिकी के उपयोग पर अधिक बल देता है।

समागम वर्तमान भाषा पारिस्थितिकी तंत्र से भारतीय भाषा पारिस्थितिकी तंत्र में सुचारु परिवर्तन के लिए प्रौद्योगिकी से लाभान्वित होगा। भाषा और प्रौद्योगिकी के संदर्भ में, तीन मुख्य क्षेत्रों पर बल दिया गया हैः

- भारतीय भाषाओं **के लिए** प्रौद्योगिकी
- भारतीय भाषाओं **में** प्रौद्योगिकी और
- भारतीय भाषाओं **के द्वारा** प्रौद्योगिकी

भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी

इस विषय का मुख्य उद्देश्य भारतीय भाषाओं में शिक्षण, परीक्षण, प्रशिक्षण और अनुवाद में प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है। शिक्षण हेतु ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों में भारतीय भाषाओं हेतु शिक्षण-अधिगम सामग्री, भाषा शिक्षण आदि का विकास शामिल है। भारतीय भाषाओं में भाषा दक्षता हेतु परीक्षण के विभिन्न चरणों में परीक्षण पद्धतियाँ और परीक्षण शामिल हैं। प्रशिक्षण से तात्पर्य भारतीय भाषाओं के सेवा-पूर्व एवं सेवारत भाषा व विषय शिक्षक, मास्टर प्रशिक्षकों, पाठ्यपुस्तक लेखकों के प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी के उपयोग से भाषा परीक्षण और मूल्यांकन से जुड़े परीक्षकों और विशेषज्ञों के प्रशिक्षण से है।

अनुवाद का उद्देश्य भारतीय भाषाओं में भाषा अनुवाद उपकरणों का विकास और उन्नयन करना तथा बड़ी संख्या में अनुवादकों का समूह तैयार करना है। अनुवाद हेतु यह प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं का आकलन, भारतीय भाषाओं में प्रौद्योगिकी आदि के उपयोग से डिजिटल अनुवाद की नियमावलियों और मानकों को विकसित करना है।

भारतीय भाषाओं में प्रौद्योगिकी

भारतीय भाषाओं में प्रौद्योगिकी एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ राष्ट्र को भारतीय भाषाओं में हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर उपकरण बनाने में महत्वपूर्ण क्रांति की आवश्यकता है। इसका तात्पर्य यह होगा कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के निवेश से स्वदेशी संचालन प्रणाली और भारतीय भाषाओं में मशीन लर्निंग, कोड्स और प्रोग्राम में भारतीय भाषाओं का उपयोग, भारतीय भाषाओं की वैश्विक स्वीकृति हेतु तकनीकी उपयोग के मुख्य मानकों का विकास, भारतीय भाषाओं के वर्तमान OS का बहु-स्तरीय विकास, भारतीय भाषाओं की वेब का मानकीरण, भारतीय भाषाओं में मोबाइल ऐप और प्रौद्योगिकी विकास, संवर्धित वास्तविकता (ए.आर.) आधारित प्लेटफार्मों का विकास, भारतीय भाषाओं में ए.आर./वी.आर./एम.वी.आर/अनुकरण/डिजिटल ट्विनिंग का एकीकरण। इसका मुख्य ध्येय भारतीय भाषाओं में प्रौद्योगिकी के सतत विकास एवं संसाधनों के स्थानीकरण द्वारा सभी हितधारकों को एक साथ मुख्यधारा में लाने पर होगा।

भारतीय भाषाओं के द्वारा प्रौद्योगिकी

जैसा कि एनईपी-2020 में भारतीय भाषाओं के माध्यम से इंजीनियरिंग, चिकित्सा, विधि और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के साथ तकनीकी शिक्षा प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। सामग्री निर्माण और प्रक्रिया जैसे डिजिटल पाठ्यपुस्तकों, शिक्षण-अधिगम सामग्रियाँ, कोश और शब्दावलियाँ, आंकलन संसाधन आदि उपलब्ध कराने में सभी शैक्षणिक संस्थानों, विद्यालयी शिक्षा निकायों, उच्च शिक्षा निकायों, तकनीकी परिषदों, व्यावसायिक क्षेत्रों, एडु-टेक और फिनटेक क्षेत्रों व्यावसायिक शिक्षा प्रतिष्ठानों, विश्वविद्यालयों, आई.आई.टी, एन.आई.टी, आई.आई.आई.टी., आई.आई.एम., आई.आई.एस.ई.आर. जैसे व्यावसायिक शिक्षा प्रतिष्ठानों में विशेष रूप से भारतीय भाषाओं के माध्यम से कौशल कार्यक्रम और तकनीकी शिक्षा प्रदान करना और भारतीय भाषाओं के उपयोग हेतु मुद्रित एवं सोशल मीडिया के लिए दिशा-निर्देश एवं मानक आदि तैयार करना होगा।

समागम के मुख्य बिंदु

- प्रौद्योगिकी के सहायता से भारतीय भाषाओं द्वारा शिक्षा प्रदान करने के तरीके तलाशना।
- प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को पहचानना जहाँ सभी भारतीय भाषाओं हेतु प्रौद्योगिकी उपकरण की आवश्यकता है।
- भारतीय भाषाओं में प्रौद्योगिकी के एकीकरण से शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षण और अनुवाद के माध्यम से शैक्षिक सामग्रियों का निर्माण करना।
- भारतीय भाषाओं में हाल के हुए प्रौद्योगिकी विकास को प्रदर्शित करना। इसमें अन्य बातों के साथ भारतीय संकेत भाषा एवं ब्रेल का प्रौद्योगिकी विकास भी शामिल होगा।
- तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से सभी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में भारतीय भाषा को बढ़ावा देना।
- भारतीय भाषाओं के लिए, भारतीय भाषाओं में और भारतीय भाषाओं द्वारा प्रौद्योगिकी के विकास की वर्तमान स्थितियों एवं चुनौतियों को समझना।
- भारतीय भाषाओं के लिए, भारतीय भाषाओं में और भारतीय भाषाओं द्वारा प्रौद्योगिकी हेतु भविष्य के उपाय एवं साधन सुझाना।

अपेक्षित परिणाम

समागम भारतीय भाषाओं के लिए, भारतीय भाषाओं में और भारतीय भाषाओं द्वारा प्रौद्योगिकी के विकास और उपयोग के रोडमैप पर एक रूपरेखा तैयार करेगा।

सहभागिता

इस समागम में शिक्षा जगत, उद्योग जगत के अग्रणी, विशेषज्ञ, भाषा विशेषज्ञ, भाषाविद, एडु-टेक/स्टार्ट-अप कंपनियों, राज्य सरकारों, अंतरराष्ट्रीय निकायों, भाषा प्रौद्योगिकी के अनुसंधानकर्ता एवं विकासकर्ताओं नीति-निर्माताओं और निर्धारकों से इसमें सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया जा रहा है।

पंजीकरण प्रक्रिया

पंजीकरण करें: https://technology-bharatiyabhasha.aicte-india.org/

समागम में भाग लेने के लिए सीमित संख्या में प्रतिभागियों को आमंत्रित किया जाएगा।

प्रतिभागियों की पुष्टि निर्धारित समयावधि में की जाएगी। ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 22 सितंबर 2023 है।

संपर्क सूत्रः

प्रो. शैलेन्द्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान
मानसगंगोत्री, हुणसुर रोड
मैसूरु-570006, कर्नाटक, भारत

फोन नंबर: +91 821 2345000, +91 821 2345006
फैक्स नंबर: +91 8212515032
ईमेल: director-ciil@gov.in